कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को अपने स्वरूप में लाने के लिए डॉ. परमार जी, जो कि मेरे शोध निर्देशक हैं, उनका विशेष सहयोग व आशीर्वाद रहा। मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. परमार जी का पुनः हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। आपकी कृपा और आशीर्वाद से ही यह शोध कार्य सम्पन्न हो सका और आशा करती हूँ कि भविष्य में भी आपका आशीर्वाद और प्यार मिलता रहेगा। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात के हिन्दी विभाग के सभी गुरूजनों का स्नेह एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकी। मैं विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कल्पना गवली का भी हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। प्रो. दक्षा मिस्त्री व प्रो. दीपेन्द्र सिंह जाडेजा का भी हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं विश्वविद्यालय के सभी गुरूजनों का भी हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

अपने गुरूजनों के साथ-साथ मैं अपने पूज्य पिता जी श्री अशोक कुमार व पूज्य माता श्रीमती कमलेश की मैं सदैव ऋणी रहूँगी, जिन्होंने मुझे जन्म दिया, मेरा पालन-पोषण किया और मुझे अच्छे संस्कार और शिक्षा देकर मुझे इस योग्य बनाया। मैं अपने भाई व बहनों की भी आभारी हूँ जिन्होंने मेरा सदैव हौसला बढ़ाया। अपने माता-पिता, भाई-बहन के साथ-साथ मैं अपने ससुर श्री राम कुमार व सास श्रीमती कृष्णा का भी हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं अपने पति

डॉ. प्रवीण शर्मा का भी दिल से आभार करती हूँ कि जिन्होंने कदम-कदम पर मुझे सहारा दिया। इसके साथ साथ में अपनी बेटी श्रेयान्वी के प्रति भी स्नेह व प्यार प्रकट करती हूँ। मैं भविष्य में कामना करती हूँ कि आपका आशीर्वाद व स्नेह मुझ पर सदैव बना रहेगा।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मेरे गुरूजनों के परामर्श का शुभफल है व त्रुटियाँ मेरी अल्पबुद्धि व अनुभवहीनता का परिणाम हैं। मनीषियों से इन त्रुटियों के लिए क्षमा प्रार्थी हूँ।

शोधकर्त्री

कल्पना